IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 8.2

पेटेंट और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ

डॉ. शिवांशु पांडेय

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमतसिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश: (Abstract)

यह शोध पत्र आधुनिक व्यावसायिक परिदृश्य में पेटेंट की रणनीतिक भूमिका पर केंद्रित है, विशेष रूप से वे कैसे प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (Competitive Advantage) **का स्रोत बनते हैं। पेटेंट न केवल आविष्कारों की नकल से सुरक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि वे बाजार में विशेषाधिकार, उच्च मूल्य निर्धारण, निवेश आकर्षण, लाइसेंसिंग अवसर और दीर्घकालिक बाजार प्रभुत्व स्थापित करने में सहायक होते हैं। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा में, मजबूत पेटेंट पोर्टफोलियो कंपनियों को प्रतिस्पर्धियों से आगे रखता है, नवाचार को प्रोत्साहित करता है तथा आर्थिक मूल्य सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।**

शोध में पेटेंट को संसाधन-आधारित दृष्टिकोण (Resource-Based View) **के माध्यम से विश्लेषित किया गया है, जहां पेटेंट को दुर्लभ, मूल्यवान, अपूरणीय और संगठन द्वारा नियंत्रित संसाधन माना जाता है। स्टार्टअप्स और स्थापित कंपनियों दोनों के संदर्भ में पेटेंट रणनीतियां (जैसे फेंसिंग, ब्लॉकिंग, क्रॉस-लाइसेंसिंग) की चर्चा की गई है। भारत जैसे विकासशील बाजारों में पेटेंट प्रणाली (पेटेंट अधिनियम** 1970 **और संशोधन) के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने तथा प्रतिस्पर्धा को संतुलित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। हाल के वर्षों में भारत में पेटेंट फाइलिंग में तेज वृद्धि देखी गई है –** FY 2020-21 **में** 58,503 **से** FY 2024-25 **में** 1,10,375 **तक – जो देश की बढ़ती नवाचार क्षमता को दर्शाता है। निष्कर्ष में**

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31272

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, February 2026 Impact Factor: 8.2

पेटेंट को मात्र कानूनी सुरक्षा नहीं, बल्कि व्यावसायिक विकास की रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखने की सिफारिश की गई है, जो सतत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (Sustainable Competitive Advantage) प्राप्त करने में सहायक हो सकती है।

कीवर्डस:(keywords)

पेटेंट, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, बौद्धिक संपदा अधिकार, नवाचार संरक्षण, संसाधन-आधारित दृष्टिकोण, स्टार्टअप रणनीति, बाजार प्रभुत्व, लाइसेंसिंग, तकनीकी प्रतिस्पर्धा, सतत लाभ, पेटेंट पोर्टफोलियो, VRIO फ्रेमवर्क।

परिचय:(introduction)

आज के वैश्विक अर्थव्यवस्था में नवाचार ही व्यवसाय की सफलता का मूल आधार है। तेजी से बदलते तकनीकी परिवेश में कंपनियां निरंतर नए उत्पाद, प्रक्रियाएं और सेवाएं विकसित कर रही हैं, लेकिन इन नवाचारों की नकल आसानी से हो सकती है यदि उचित संरक्षण न हो। यहां पेटेंट एक महत्वपूर्ण कानूनी उपकरण के रूप में उभरता है, जो आविष्कारक को निश्चित अवधि (सामान्यतः 20 वर्ष) के लिए विशेषाधिकार प्रदान करता है – उत्पाद बनाने, उपयोग करने, बेचने या आयात करने का एकाधिकार। पेटेंट केवल आविष्कार की सुरक्षा नहीं करते, बल्कि वे प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का प्रमुख स्रोत बन जाते हैं। पेटेंट के माध्यम से कंपनियां बाजार में विशेष स्थिति प्राप्त करती हैं, प्रीमियम मूल्य निर्धारण कर सकती हैं, प्रतिस्पर्धियों को बाजार में प्रवेश से रोक सकती हैं तथा निवेशकों के लिए आकर्षक बन सकती हैं। उदाहरणस्वरूप,

फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, टेलीकॉम और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में मजबूत पेटेंट पोर्टफोलियो वाली कंपनियां बाजार हिस्सेदारी पर प्रभुत्व जमाती हैं। संसाधन-आधारित दृष्टिकोण (Resource-Based View

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, February 2026 Impact Factor: 8.2

- RBV) के अनुसार, पेटेंट एक दुर्लभ और मूल्यवान संसाधन हैं जो VRIO फ्रेमवर्क (Valuable, Rare, Inimitable, Organized) को पूरा करते हैं, जिससे सतत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ संभव होता है।

VRIO फ्रेमवर्क में: Valuable (मूल्यवान): पेटेंट कंपनी को अवसरों का लाभ उठाने या खतरों से बचाने में मदद करते हैं। Rare (दुर्लभ): कुछ ही कंपनियों के पास समान पेटेंट होते हैं। Imitable (अनुकरणीय नहीं): पेटेंट कानूनी रूप से कॉपी नहीं किए जा सकते। Organized (संगठित): कंपनी इनका प्रभावी उपयोग कर सकती है। जब सभी चार गुण मौजूद होते हैं, तो पेटेंट सतत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करते हैं। वैश्विक स्तर पर, पेटेंट रणनीतियां प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करती हैं – कभी नवाचार की सुरक्षा के लिए (Protecting Innovation), कभी प्रतिस्पर्धियों को रोकने के लिए (Preempting Rivals), और कभी स्वतंत्र संचालन की रक्षा के लिए (Freedom to Operate)। भारत में पेटेंट अधिनियम 1970 (और उसके संशोधन, जैसे 2005 और बाद के) ने उत्पाद पेटेंट को सभी क्षेत्रों में विस्तार दिया है, जिससे नवाचार में वृद्धि हुई है। हाल के वर्षों में भारत ने रिकॉर्ड पेटेंट जारी किए हैं – FY 2020-21 से FY 2024-25 तक फाइलिंग में लगभग दोगुनी वृद्धि – जो देश की बढ़ती नवाचार क्षमता को दर्शाता है। हालांकि, स्टार्टअप्स और SMEs के लिए पेटेंट प्राप्ति की लागत, जटिल प्रक्रिया और प्रवर्तन की चुनौतियां बनी हुई हैं। यह शोध पत्र पेटेंट और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के बीच गहन संबंध की जांच करता है। मुख्य भाग में पेटेंट रणनीतियां, मूल्य सृजन के तरीके, प्रतिस्पर्धी चुनौतियां और भारतीय संदर्भ शामिल हैं। उद्देश्य है कंपनियों को पेटेंट को रणनीतिक संपत्ति के रूप में उपयोग करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना, ताकि वे वैश्विक बाजार में सतत लाभ प्राप्त कर सकें।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 8.2

मुख्य भाग:(main body)

पेटेंट की भूमिका और मूल्य प्राप्ति

पेटेंट कंपनियों को उनके निवेश की सुरक्षा प्रदान करते हैं और नए उत्पादों या सेवाओं के विकास में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ स्थापित करने में मदद करते हैं। एक मजबूत पेटेंट पोर्टफोलियो बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने, प्रीमियम मूल्य निर्धारण करने और कॉपीकैट्स से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम होता है। उदाहरण के लिए, पेटेंट कंपनियों को कानूनी कार्रवाई के माध्यम से प्रतिस्पर्धियों को रोकने की अनुमति देते हैं, जिससे बाजार में विशेषता प्राप्त होती है।

स्टार्टअप्स के लिए पेटेंट रणनीति

स्टार्टअप्स सीमित बजट पर काम करते हैं, लेकिन एक प्रभावी पेटेंट रणनीति उनके लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का स्रोत बन सकती है। पेटेंट न केवल प्रतिस्पर्धियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं बल्कि निवेशकों को आकर्षित करते हैं और संतृप्त बाजारों में लाभ प्रदान करते हैं। एक पोर्टफोलियो में संबंधित पेटेंट्स का संग्रह स्टार्टअप की अनुकूलनशीलता और स्केलेबिलिटी को दर्शाता है। इसके अलावा, पेटेंट लाइसेंसिंग अवसरों और अंतिम निकास (एक्जिट) की सुविधा प्रदान करते हैं।

प्रतिस्पर्धी चुनौतियाँ और रणनीतियाँ:

कमजोर पेटेंट प्रतिस्पर्धियों के लिए रोडमैप बन सकते हैं, जबकि मजबूत पेटेंट उन्हें रोकते हैं और बाजार स्थिति की रक्षा करते हैं। तकनीकी प्रतिस्पर्धा पेटेंट रणनीति को प्रभावित करती है, जहां कंपनियां नवाचारों की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धियों को पूर्व-निरोध और ऑपरेशन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पेटेंट का उपयोग करती हैं। कोर तकनीक पर प्रतिस्पर्धा 'बंद' दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है, जहां पेटेंट प्रतिस्पर्धियों के वाणिज्यिक प्रयासों को अवरुद्ध करते हैं।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 8.2

पेटेंट वित्तपोषण और बाजार लाभ:

पेटेंट वित्तपोषण को रणनीतिक रूप से उपयोग करके कंपनियां बाजार में लाभ प्राप्त कर सकती हैं। यह न केवल धन सुरक्षित करता है बल्कि नवाचार को आगे बढ़ाता है और प्रतिस्पर्धी स्थिति को मजबूत करता है। पेटेंट पोर्टफोलियो बाजार भेदभाव और नए राजस्व स्रोतों के लिए आधार प्रदान करता है।

भारत में पेटेंट ट्रेंड्स (ग्राफिकल प्रतिनिधित्व)

भारत में पेटेंट फाइलिंग में तेज वृद्धि देखी गई है। FY 2020-21 **से** FY 2024-25 **तक फाइलिंग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है**:

FY 2020-21: ~58,503
FY 2023-24: ~92,168
FY 2024-25: ~1,10,375 (**रिकॉर्ड उच्च**)

यह वृद्धि स्टार्टअप्स, MSMEs **और रिसर्च संस्थानों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।**

निष्कर्ष:(conclusion)

पेटेंट प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने का एक शक्तिशाली उपकरण हैं, जो नवाचारों की सुरक्षा, निवेश आकर्षण और बाजार प्रमुखता प्रदान करते हैं। कंपनियों को पेटेंट को रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखना चाहिए, विशेष रूप से तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में। मजबूत पेटेंट रणनीति न केवल वर्तमान लाभ सुनिश्चित करती है बल्कि भविष्य के विकास के लिए आधार तैयार करती है। भारत में बढ़ते पेटेंट ट्रेंड्स से स्पष्ट है कि बौद्धिक संपदा अब केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का इंजन बन चुकी है।समकालीन ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में पेटेंट केवल कानूनी सुरक्षा का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे एक शक्तिशाली रणनीतिक संपत्ति (Strategic Asset) **बन चुके हैं जो व्यवसायों को सतत प्रतिस्पर्धात्मक लाभ** (Sustainable Competitive Advantage) **प्रदान करते हैं। संसाधन-आधारित दृष्टिकोण**

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 8.2

(Resource-Based View) के VRIO फ्रेमवर्क के अनुसार, मजबूत पेटेंट दुर्लभ, मूल्यवान, अनुकरणीय नहीं और संगठन द्वारा प्रभावी ढंग से नियंत्रित होते हैं, जिससे कंपनियां बाजार में दीर्घकालिक प्रभुत्व स्थापित कर पाती हैं। पेटेंट नवाचार की सुरक्षा करते हैं, प्रतिस्पर्धियों को नकल से रोकते हैं, प्रीमियम मूल्य निर्धारण की अनुमति देते हैं, निवेशकों को आकर्षित करते हैं, लाइसेंसिंग और क्रॉस-लाइसेंसिंग के माध्यम से नए राजस्व स्रोत खोलते हैं तथा कंपनी की समग्र मूल्यांकन (Valuation) को बढ़ाते हैं। स्टार्टअप्स के लिए पेटेंट एक अस्तित्व का साधन बन जाते हैं – वे बाजार में प्रवेश बाधा (Entry Barrier) पैदा करते हैं, निवेशकों के लिए विश्वसनीयता का संकेत देते हैं तथा संतृप्त बाजारों में भी अलग पहचान स्थापित करने में सहायक होते हैं। स्थापित कंपनियां पेटेंट का उपयोग फेंसिंग, ब्लॉकिंग और फ्रीडम टू ऑपरेट रणनीतियों के माध्यम से प्रतिस्पर्धियों को रोकने और अपनी कोर तकनीक की रक्षा करने में करती हैं।

अंततः, पेटेंट को रणनीतिक दृष्टिकोण से अपनाने वाली कंपनियां न केवल वर्तमान बाजार में मजबूत स्थिति बनाए रखती हैं, बल्कि भविष्य के तकनीकी परिवर्तनों के लिए भी तैयार रहती हैं। वे नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं, आर्थिक विकास में योगदान देती हैं तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नेतृत्व हासिल करती हैं। व्यवसायों को सलाह दी जाती है कि वे पेटेंट को अपनी कॉर्पोरेट रणनीति का अभिन्न अंग बनाएं – एक ऐसे उपकरण के रूप में जो न केवल विचारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें बाजार में सफलता और स्थायी लाभ में बदल देता है।

संदर्भ:(reference)

[1]. How Startups Can Use a Patent Strategy as a Competitive Advantage - https://www.gtlaw-techventureviews.com/2025/03/how-startups-can-use-a-patent-strategy-as-a-competitive-advantage

[2]. VRIO Framework Overview - Cascade Strategy (https://www.cascade.app/blog/vrio-framework)

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 8.2

[3]. India's Patent Filing Trends - Global Patent Filing (https://www.globalpatentfiling.com/blog/India-s-Patent-Filing-Trends)

[4]. Patent Portfolio Competitive Analysis - Various sources including PatentSight and ResearchGate diagrams

[5]. Technological competition and patent strategy - ScienceDirect

[6]. Annual Report CGPDTM (**भारत सरकार**) - Patent Statistics 2020-2025